C-10

# मानसिक चुनौतियों वाले बालक (Mentally Challenged Children)

**भूमिका :—**

व्यक्तिगत विभिन्नताओं ने बुद्धि उपलब्धि के आधार पर सर्वप्रथम यह घोषित किया कि विशिष्ट बालकों में एक प्रकार मन्दबुद्धि बालकों का भी है जो प्रतिभाशाली बालकों की अपेक्षा सर्वथा भिन्न होते हैं। इनकी मानसिक योग्यता औसत से कम होती है। मानसिक मन्दता वाले बालकों की बुद्धि लब्धि साधारण बालकों की बुद्धि-लब्धि से कम होती है व इनमें विभिन्न मानसिक शक्तियों में न्यूनता होती है। स्किनर ने इन्हें मन्द बुद्धि (Mentally Retarded), अल्पबुद्धि (Mentally Deficient) विकल बुद्धि (Mentally Handicapped), धीमी गति से सीखने वाले (Slow Learner), पिछड़े हुए (Backward) और मूढ़ (Dull) की संज्ञा दी।

सन् 1913 तक मन्द बुद्धि और पिछड़े हुए बालकों में किसी प्रकार का अन्तर नहीं किया जाता था लेकिन इसी वर्ष England में 'Mental Deficiency Act' आया और मनोवैज्ञानिकों ने इस पर अध्ययन करना शुरू किया व सामान्य तथा मन्द बुद्धि बालकों को सरकारी परिभाषा में इस प्रकार बताया।

मानसिक मंदता औसत से निम्न मानसिक कार्यक्षमता



Scanned with CamScanner

का उल्लेख करती है। इसका आरम्भ बालक के विकास की अवधि में होता है और यह निम्नलिखित में से एक या अधिक से अनुकूल व्यवहार की कमी द्वारा सम्बन्धित रहती है :—

1. परिपक्वता
2. अधिगम
3. सामाजिक समायोजन

मन्द बुद्धि बालक का अर्थ (Meaning of Mentally Retarded children)

मन्द बुद्धि बालक मूढ़ (Dull) होता है इसलिए उसमें सोचने, समझने और विचार करने की शक्ति कम होती है।

क्रो और क्रो के शब्दों में :— "जिन बालकों की बुद्धि-लब्धि 70 से कम होती है, उन्हें मन्द बुद्धि बालक कहते हैं।

स्किनर के अनुसार — "प्रत्येक कक्षा के छात्रों को एक वर्ष में शिक्षा का एक निश्चित कार्यक्रम पूरा करना पड़ता है। जो छात्र उसे पूरा कर लेते हैं उनको 'सामान्य छात्र' कहा जाता है। जो छात्र उसे पूरा नहीं कर पाते उनको मन्द बुद्धि छात्रों की संज्ञा दी जाती है। विद्यालयों में यह धारणा बहुत लम्बे समय से चली आ रही है और अब भी है।"



Scanned with CamScanner

पोलक व पोलक के अनुसार !—
"मन्द बुद्धि बालक को, अब क्षीण बुद्धि बालकों के समूह में नहीं रखा जाता है, जिनके लिए कुछ भी नहीं किया जा सकता है। अब हम यह स्वीकार करते हैं कि उनके व्यक्तित्व के उतने ही विभिन्न पहलू होते हैं; जितने सामान्य बालकों के व्यक्तित्व के होते हैं।

अतः उपरोक्त परिभाषा से यह स्पष्ट होता है कि मन्द बुद्धि बालक को मानसिक मंदता के आधार पर 'बुद्धि-लब्धि' के स्तर के अनुसार वर्गीकृत करते हैं।

| मानसिक मंदता | बुद्धि-लब्धि |
|---|---|
| जड़ बुद्धि | 0-19 |
| हीन बुद्धि | 20-49 |
| दुर्बल बुद्धि | 50-69 |
| मन्द या पिछड़ा | 70-85/90 |

मानसिक रूप से पिछड़े/मन्द बालक की पहचान
(Identification of Mentally Retarded Children)

मानसिक रूप से पिछड़े बालक की पहचान निम्न प्रकार से की जा सकती है जो अग्रलिखित है :—

1. अध्यापक शैक्षिक निष्पत्ति के आधार पर पहचान कर सकते हैं।

2. ऐसे बालक प्रायः शारीरिक रूप से अयोग्य होते हैं।



Scanned with CamScanner

3. संवेगात्मक रूप से अस्थिर होते हैं।

4. बुद्धि-लब्धि द्वारा भी पहचान की जा सकती है। इस तरह से की गयी पहचान सही होती है।

5. शैक्षिक तथा शारीरिक आलेख पत्र (Cumulative Records) भी सहायक हो सकते हैं।

6. व्यक्ति-वृत अध्ययन भी महत्वपूर्ण है।

मानसिक पिछड़ेपन के कुछ आधार इस प्रकार हैं:—

(i) शैक्षिक
(अ) ऐसे बालक सूक्ष्म चिन्तन के योग्य नहीं होते।
(ब) शैक्षिक क्षमता में वह अपने आयु समूह से बहुत नीचे होता है।

(ii) सामाजिक
(अ) सामाजिक व्यवहार में कुशल नहीं होते।
(ब) व्यक्तिगत व सामाजिक उत्तरदायित्वों को वहन नहीं कर पाते।

(iii) व्यावहारिक
(अ) अधिगम की क्षमता कम होती है।
(ब) संवेदनात्मक (Sensory) दोष होते हैं।



Scanned with CamScanner

मानसिक मन्दता के कारण (Reasons of Mentally Retarded) :—

मानसिक मन्दता के बहुत से कारण हो सकते हैं। कुछ कारण बालक के जन्म से पूर्व और कुछ कारण बालक के जन्म के पश्चात होते हैं। अतः मानस मन्दता के निम्न दो प्रमुख कारण हैं :—

(1) प्रसव-पूर्व कालिक कारण — जन्म से पूर्व पैदा होना यानी 7 माह का बालक या फिर जन्मपूर्व गर्भ के रोग; जैसे - पोलियो, किसी ग्रन्थि में विकार, आदि जिसके कारण अपरिपक्व शिशु पैदा होते हैं।

(2) प्रसवोत्तर कालिक कारण :— इसमें जन्म के समय मस्तिष्क में सूजन आना मस्तिष्क पर आघात लगना आदि तथा इसमें कभी मस्तिष्क कैंसर व ट्यूमर की समस्या भी होती है। जिससे मस्तिष्क कोशिकाओं में ऑक्सीजन की कमी होने के कारण मन्दता होती है।

अन्य कारणों से जैसे आपसी झगड़े, मद्यपान, गरीबी आदि का दुष्प्रभाव भी मानसिक मन्दता का कारण होता है। इसके अतिरिक्त परिवार का वातावरण व अभाव भी इसका कारण बन जाते हैं। अतः समुचित वातावरण और वंशानुक्रमण के अभाव में बालक मानसिक-मन्दता का शिकार हो जाता है।



Scanned with CamScanner

मन्द बुद्धि बालक की विशेषताएँ
(Characteristics of Mentally Retarded children.)

मन्द बुद्धि बालकों की विशेषताएँ उनकी पहचान के काम में आती है और विभिन्न लेखकों ने मन्द बुद्धि बालक की विभिन्न विशेषताओं का उल्लेख किया है।

क्रो व क्रो के अनुसार

(i) दूसरो को मित्र बनाने की अधिक इच्छा।

(ii) दूसरो के द्वारा मित्र बनाये जाने की कम इच्छा।

(iii) विद्यालय में असफलताओं के कारण निराशा।

(iv) संवेगात्मक और सामाजिक असमायोजन

स्किनर के अनुसार,

(i) सीखी हुई बात को नयी परिस्थितियों में प्रयोग करने में कठिनाई

(ii) व्यक्ति एवं घटनाओं के प्रति ठोस और विशिष्ट प्रतिक्रियाएँ।

(iii) मान्यताओं के सम्बन्ध में अटल विश्वास

(iv) दूसरों की चिन्ता न करके केवल अपनी चिन्ता।



Scanned with CamScanner

APPOINTMENTS

19

(v) किसी बात का निर्णय करने में परिस्थितियों की अवहेलना।

(vi) कार्य और कारण के सम्बन्ध में ऊटपटांग धारणाएँ।

ऐंडसन के अनुसार

(i) आत्मविश्वास का अभाव।

(ii) 50 से 70 या 75 तक बुद्धि-लब्धि।

(iii) विभिन्न अवसरों पर विभिन्न प्रकार का व्यवहार।

(iv) बहुधा आवेशपूर्ण व्यवहार।

अतः इस प्रकार से मंदबुद्धि बालकों में उपर्युक्त विशेषताएँ पायी जाती हैं।



Scanned with CamScanner